अध्यक्ष की कलम से ...

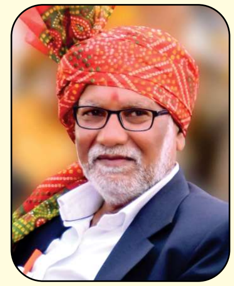

सम्मानीय स्वजनों,

नव वर्ष में आप सभी सपरिवार स्वस्थ्य रहे व सफलता की नयी ऊंचाइयों को छुये, यही ईश्वर से कामना करता हूं।

राजाधिराज, सम्राट शिरोमणि, साहित्य विद्, कुशल शासक व राजनीतिज्ञ राजा भोज तथा मां वाग्देवी की असीम कृपा से हमारा समाज सभी क्षेत्र में दिनो दिन प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा है। यह हमारे लिये अत्यंत हर्ष की बात है।

यदि हम इतिहास के पन्नों को खंगाले तो मालूम पड़ेगा कि भोपाल राजधानी बनने के बाद हमारे समाज के कुछ उत्साही कार्यकर्ताओं द्वारा वर्ष 1957 में समाज के लिए कुछ कर गुजरने की मंशा से अपने साथियों के साथ मिलकर समाज संगठन बनाने के उद्देश्य से बैठक का आयोजन किया, जिसमें श्री नत्थू जी ठवरे को अध्यक्ष के रुप में नियुक्त करते हुए उनकी अगुवाई में समाज उत्थान का कार्य प्रारंभ किया गया। राजधानी भोपाल बनने से समाज सदस्यों की संख्या बढ़ी व कर्मचारियों के सहयोग से संगठन में नया जोश पैदा हुआ व 20 दिसम्बर, 1978 को क्षत्रिय पवार समाज भोपाल का पंजीयन कराया गया। तब से आज तक क्षत्रिय पवार समाज संगठन में पदस्थ पदाधिकारियों के नाम व कार्यकाल इसी पत्रिका के लेख में दिया गया है।

क्षत्रिय पवार समाज, भोपाल ने हमेशा ही अपने सामाजिक दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए प्रदेश एव राष्ट्र हित में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसके चलते समाज की बहुमुखी प्रतिभाओं ने सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनायी है।

समाज के सक्रिय कार्यकर्ताओं का हमेशा से यह सपना रहा था कि राजधानी भोपाल में समाज की अपनी निजी जमीन हो, जिस पर समाज का कार्यालय व भवन बनाकर अपनी स्वधरा पर समय समय पर सामाजिक गतिविधियां एवं वर्ष में एक बार अपना वार्षिक समारोह सुव्यवस्थित ढंग से किया जा सके। विभिन्न अध्यक्षों के कार्यकाल में इस क्षेत्र में काफी प्रयास भी किये गये, किंतु किन्हीं कारणों से सफलता प्राप्त नहीं की जा सके। आखिरकार तत्कालीन अध्यक्ष श्री बी.डी. टोपले जी की अगुवाई में इस लक्ष्य को प्राप्त करने में पहली सफला वर्ष 2011 में मिली तथा भोपाल बायपास पर 2700 वर्गफीट का भूखंड क्रय किया गया।

वर्ष 2013 में भोपाल समाज की बागडोर युवा पीढ़ी के हाथों में सौंपी गयी तथा श्री कैलाश कौशिक जी को संगठन का अध्यक्ष बनाया गया। उनकी अगुवाई में वर्ष 2015 में सर्वप्रथम श्री एस.डी. धारपुरे जी के मार्गदर्शन में समाज के संविधान में संशोधन कराया गया। भोपाल में निवासरत पवारों के सहयोग से पवार कालोनी की परिकल्पना की गयी तथा इस कार्य में पूरी कार्यकारिणी एक मात्र लक्ष्य की प्राप्ति हेतु भगीरथ प्रयास में जुट गयी, जिसके परिणामस्वरुप वर्ष 2017 में 2.82 एकड़ तथा 2020 में आधा एकड़ जमीन क्रय करते हुए 1000 वर्गफीट पर सामाजिक कार्यालय का निर्माण कर सामाजिक बंधुओं के लिए 82 भूखंड, सामाजिक कार्य के लिए दो बड़े हाल व एक बड़ा मंच का निर्माण किया गया। इस प्रांगण को पवारांगन का नाम दिया गया साथ ही इसी प्रांगण में लगभग 1600 वर्गफीट पर मंदिर निर्माण हेतु भूमिपूजन कर 7.1.2023 को भूमिगत फाउंडेशन के साथ निर्माण कार्य का प्रारंभ किया गया

हमारे युवा, उत्साही व जुझारु अध्यक्ष श्री कैलाश कौशिक जी का लंबी बीमारी के बाद दिनांक 15.10.023 में

नव वर्ष की बधाई एवं शुकामनाओं सहित,

मेरी मंजिल, मेरा हौसला देखकर
डर मुझे भी लगा, फासला देखकर
पर मैं बढ़ता गया, रास्ता देखकर
खुद ब खुद मेरे नजदीक आती गई
मेरी मंजिल, मेरा हौसला देखकर।

आपका अपना
कन्हैयालाल परिहार
अध्यक्ष
क्षत्रिय पवार समाज, भोपाल